फिरकी

Firkee बच्चों की

अंक-6

ऐ चूहेएएएए!

ऐ!
चूहेएएएएएएएएएएएएएएएए
किससे पूछ के खाए
तूने मेरे
पुएएएएएएएएएएएएएएएए

— प्रभात
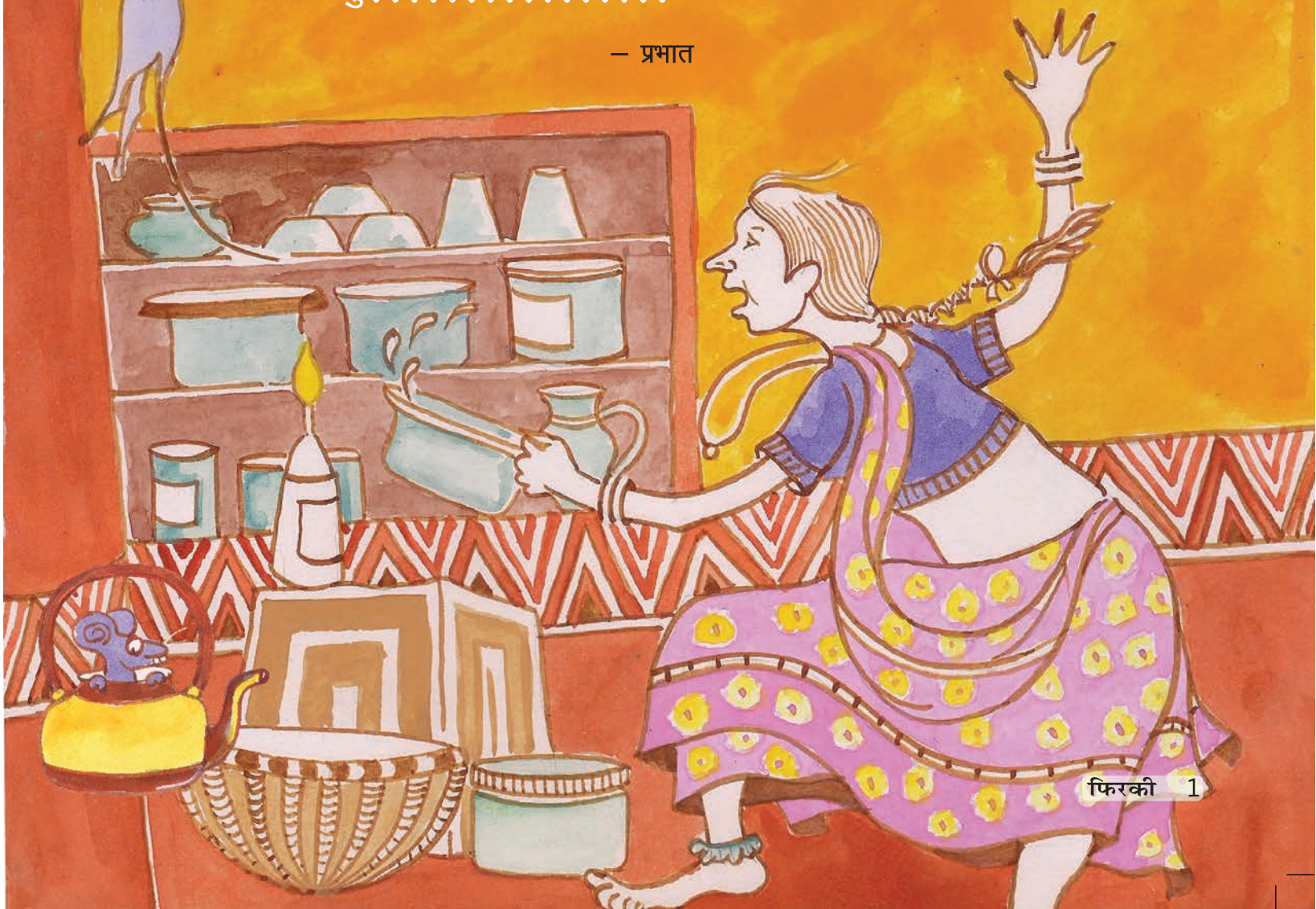
बरस रहा, भई बरस रहा!

एक छछूंदर गाँव में,
बड़े पेड़ की छाँव में।
उछल रहा भई उछल रहा!
बादल गरजा ज़ोर से,
हाथी डरकर शोर से,
भाग रहा भई भाग रहा!
बादल करता टपक-टपक,
करे छमाछम छपक-छपक,
बरस रहा, भई बरस रहा!
लेकर छतरी हाथ में,
चूहा इस बरसात में,
छींक रहा भई छींक रहा!

– अक्षय कुमार दीक्षित

इस अंक में

समस्त चित्रांकन - जितेन्द्र ठाकुर

एक चिड़िया थी। उसका नाम चींचीं था। एक दिन की बात है। चींचीं चिड़िया गाय के पास बैठी थी। वह दाने चुग रही थी।

गाय ने गोबर कर दिया। चिड़िया गोबर में दब गई। वह उड़ न सकी। उधर से एक कुत्ता आया। चिड़िया ने कहा कि कुत्ते भाई, मुझे निकाल दो। कुत्ते ने कहा, ''मैं निकालूँगा तो खा लूँगा।'' चिड़िया ने कहा कि हाँ, खा लेना।
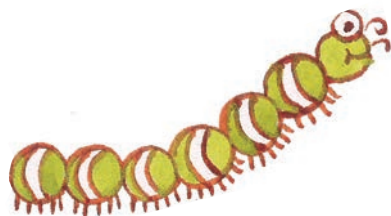
कुत्ते ने चिड़िया को गोबर से बाहर निकाला।
अब चिड़िया ने कहा कि मुझे धो तो लो।
कुत्ता चिड़िया को नल पर ले गया।

वह चिड़िया को धोकर खाने लगा।
चिड़िया ने कहा कि सुखा तो लो।

कुत्ते ने चिड़िया को धूप में रख दिया।
थोड़ी देर में चिड़िया के पंख सूख गए।

चिड़िया फुर्र करके उड़ गई।

— एक लोक कथा

थानेदार और मुजरिम

थानेदार चूहे ने पूछा,
कैदी बिल्ले से,
क्या-क्या साफ़ किया तुमने,
इस खंडहर किल्ले से !
बिल्ला बोला- कुछ नहीं जी बस,
कुछ चौपाये!
चूहा चौंका-चौपाये !
कैसे खा पाये?
भैंसों, घोड़ों, ऊँटों पर तुम
कैसे हाथ साफ़ कर पाये?
बिल्ला बोला - जी, वो तो कुछ
बड़े नहीं थे
छोटे ही थे
चूहे ही थे।

– प्रभात
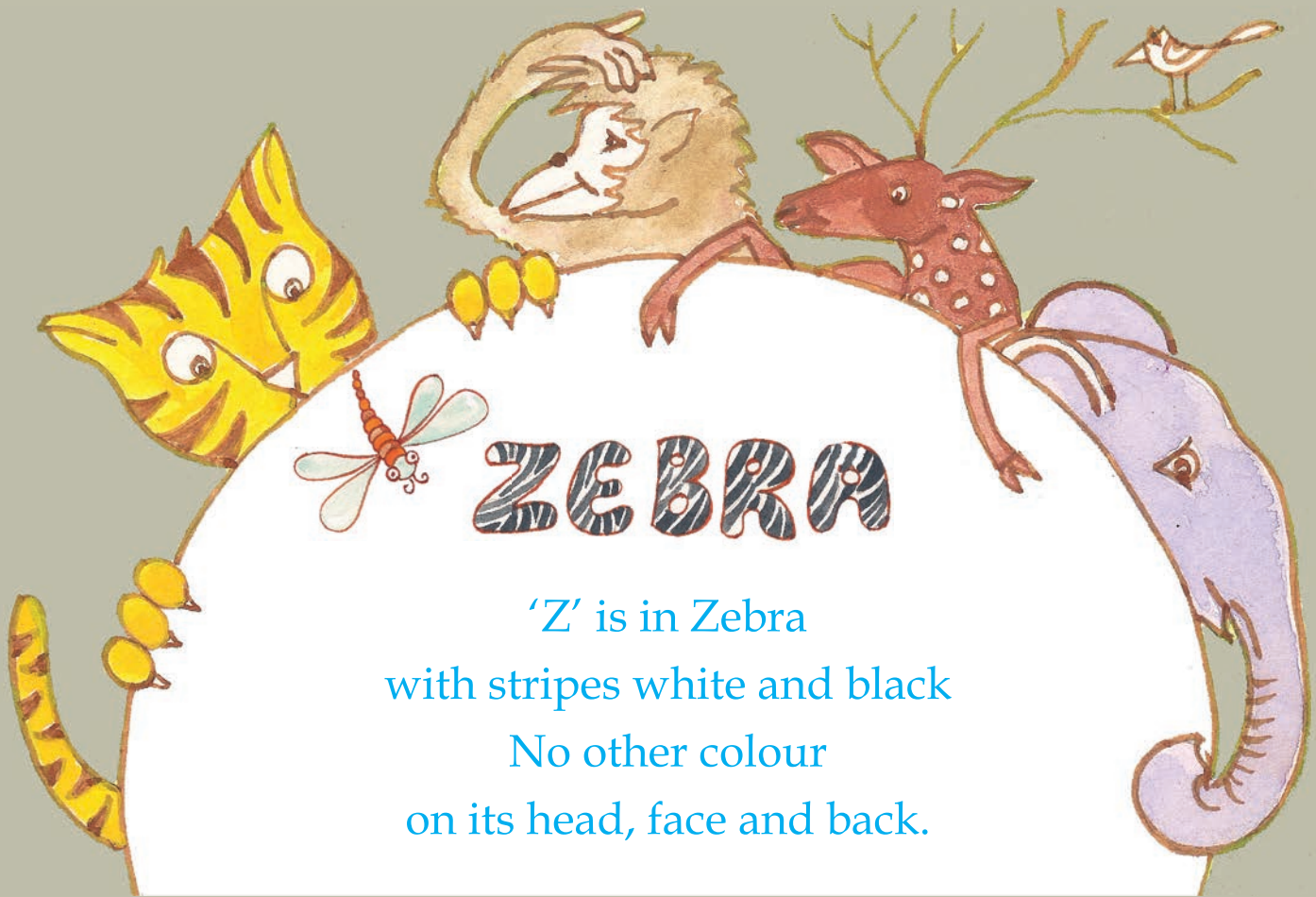
ZEBRA

'Z' is in Zebra
with stripes white and black
No other colour
on its head, face and back.

Do you know too
That 'Z' is in Zoo,
You look at animals

Adapted by –
Varada M. Nikalje

कुछ हम लिखें, कुछ तुम लिखो

कभी हवा कभी बादल,
कभी बारिश, बारिश, बारिश।

कभी पर्वत कभी घाटी,
कभी जंगल, ________, ________।

कभी रेल कभी ________
कभी ________, ________, ________

— रूपम कुमारी

Bubbles here, bubbles there

Bubbles bubbles,
here and there,
Blow up, blow up, in the air!
Blowing bubbles is such fun!
Blowing bubbles
one by one.
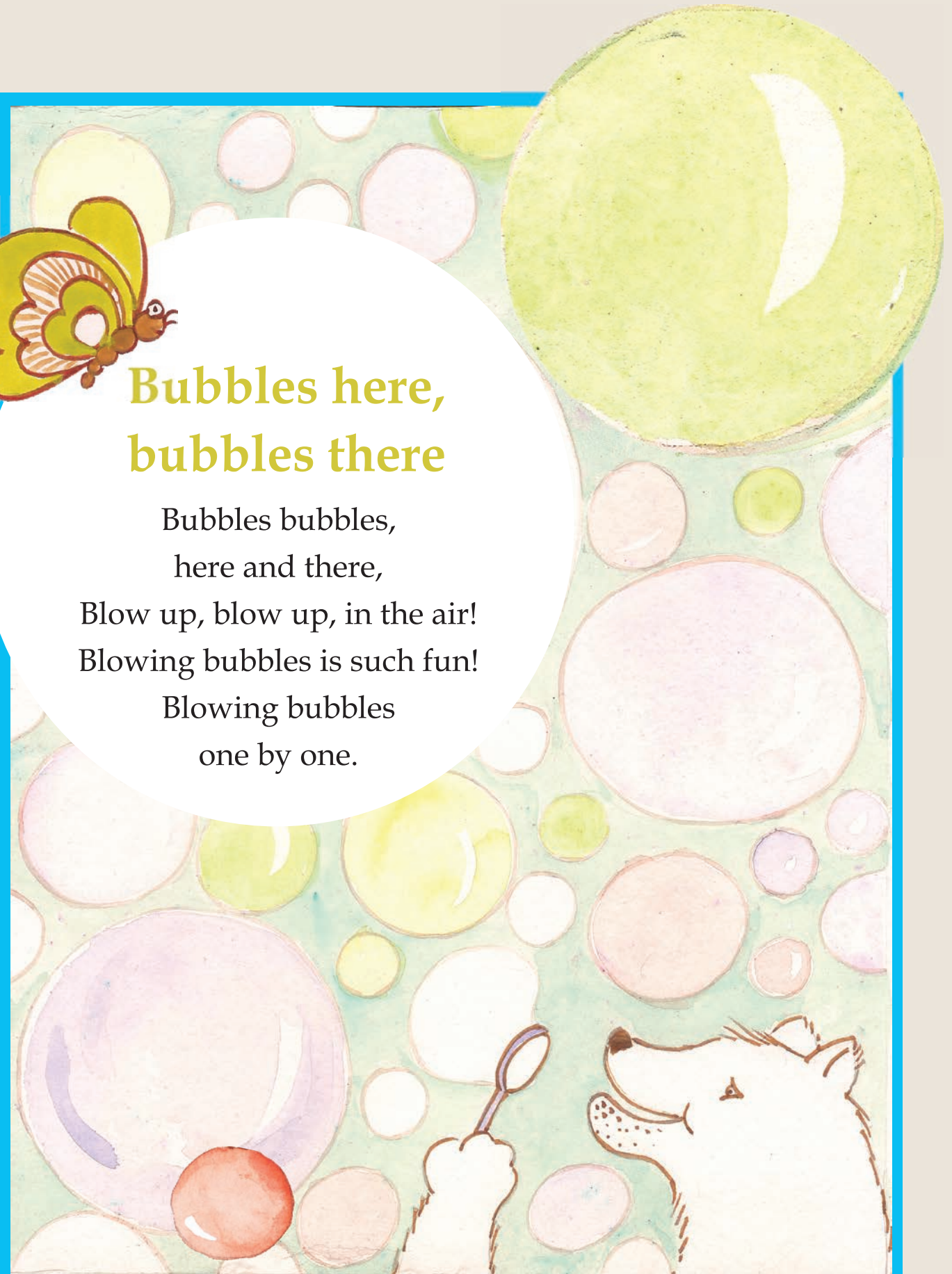
करके देखो
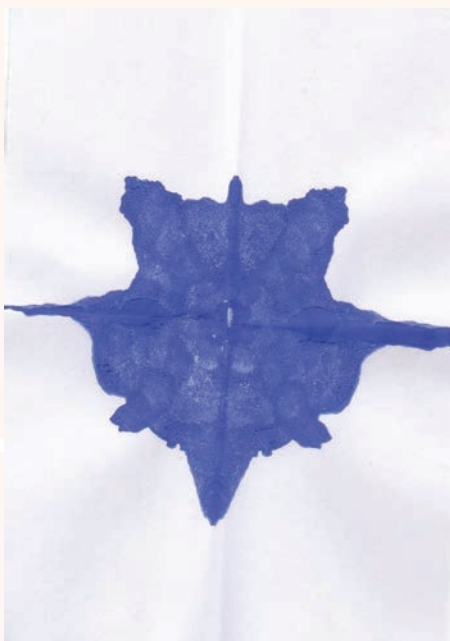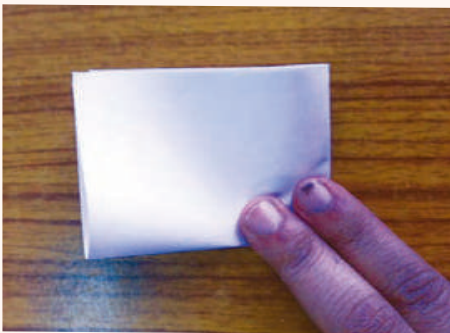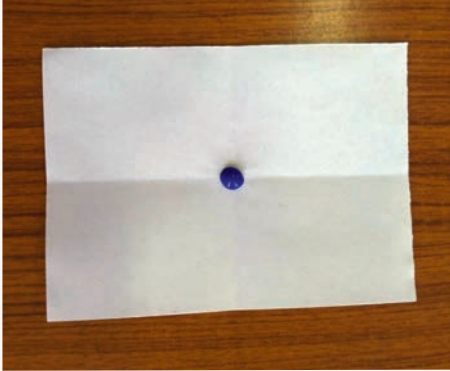
1. एक चौकोर कागज़ का टुकड़ा लें।
2. इसके बीचों बीच स्याही के किसी रंग (water colour) की एक बूँद डालें।
3. कागज़ को ध्यान से लंबाई में बीच से आधा मोड़ लें।
4. इसको फिर से बीच चौड़ाई में आधा मोड़ लें।
5. अँगूठे से धीरे से मुड़े हुए कागज़ को कोने से ऊपर की तरफ दबाएँ।
6. कागज़ को खोलकर देखें, क्या पैटर्न बना!

— भारती

– जितेन्द्र ठाकुर

चिड़ियाँ

साभार – के. के. शर्मा
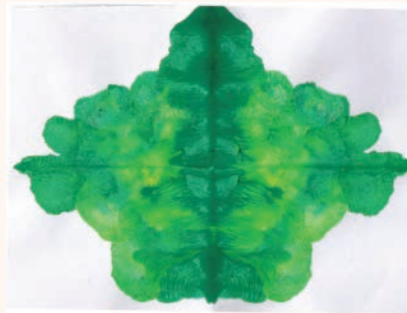
बस्ते में

एक दिन राधा स्कूल जा रही थी।

उसने रास्ते में देखा कि एक अंडा पड़ा हुआ है।

उसने अंडा उठाया और अपने बैग में रखकर स्कूल ले गई।

वहाँ जाकर उसने अपने दोस्तों से कहा कि
तुम्हें मैं सुंदर-सा अंडा दिखाती हूँ।
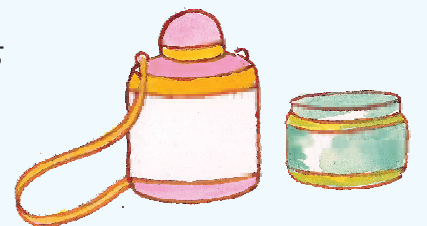
राधा ने जैसे ही बैग खोला तो उसमें से
नन्हा-सा चूज़ा चूँ-चूँ करते कूद पड़ा।

– सुनीता देवी
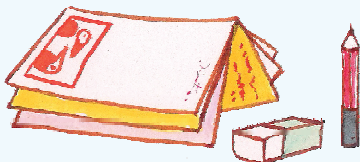
In that Garden

There was a huge garden.
In that garden many big, small
and tiny animals lived happily.

But some of them were not friends.
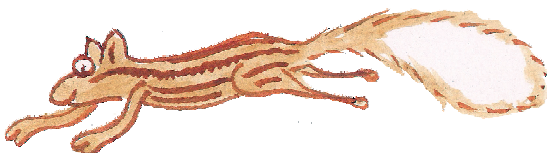
One sunny day a funny thing happened.
A dog was chasing a cat.
The cat climbed the tree nearby to save herself.
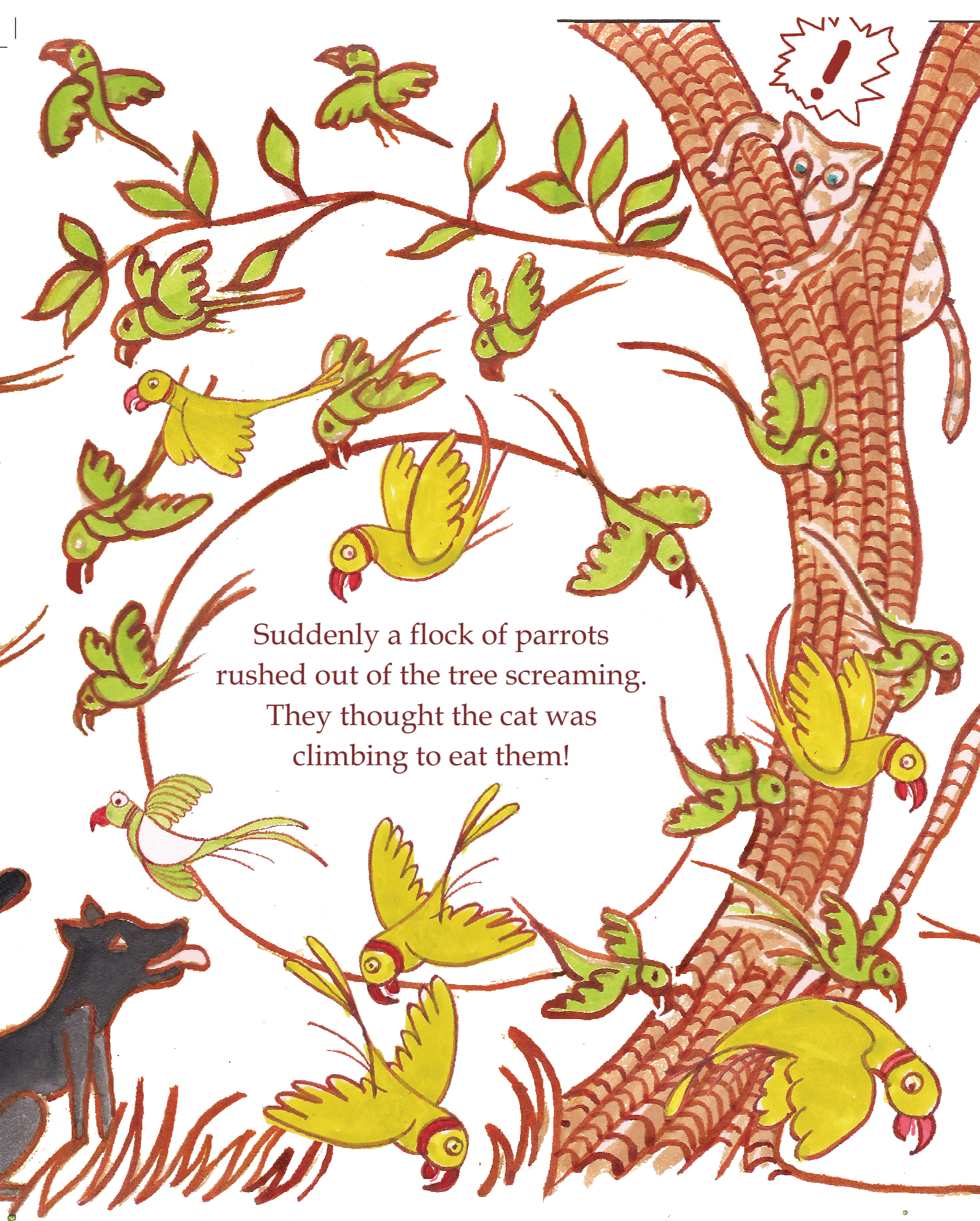
Suddenly a flock of parrots rushed out of the tree screaming. They thought the cat was climbing to eat them!

All the parrots flew out. PHURRRRRRRRR!!!!!

– Vinita Arora

लोटे की कहानी

अजी! ज़रा मेरी ओर तो देखो। मैं हूँ। गोल–गोल, मोटा–मोटा। मेरे पैर नहीं हैं, फिर भी दिन–भर खड़ा रहता हूँ। पानी, दूध, चाय, लस्सी जो भी पीने को मिले, सब पी लेता हूँ। थाली, कटोरे, गिलास से गपशप करता हूँ। जब कोई मेरे अंदर चम्मच डालता है तो मुझे खूब गुदगुदी होती है। मेरा मुँह हमेशा खुला ही रहता है। लगता है इसी वजह से ढेर सारी हवा मेरे पेट में भर गई है। तभी तो मेरा पेट इतना फूला–फूला है।

– निरंकार देव सेवक

नानी कहे कहानी

चंदू की नानी,
कहे कहानी।

एक था शरबत,
एक था पानी।

नानी पिए शरबत,
चंदू पिए पानी।

रूठ गया चंदू,
खत्म हुई कहानी।

साभार – एकलव्य
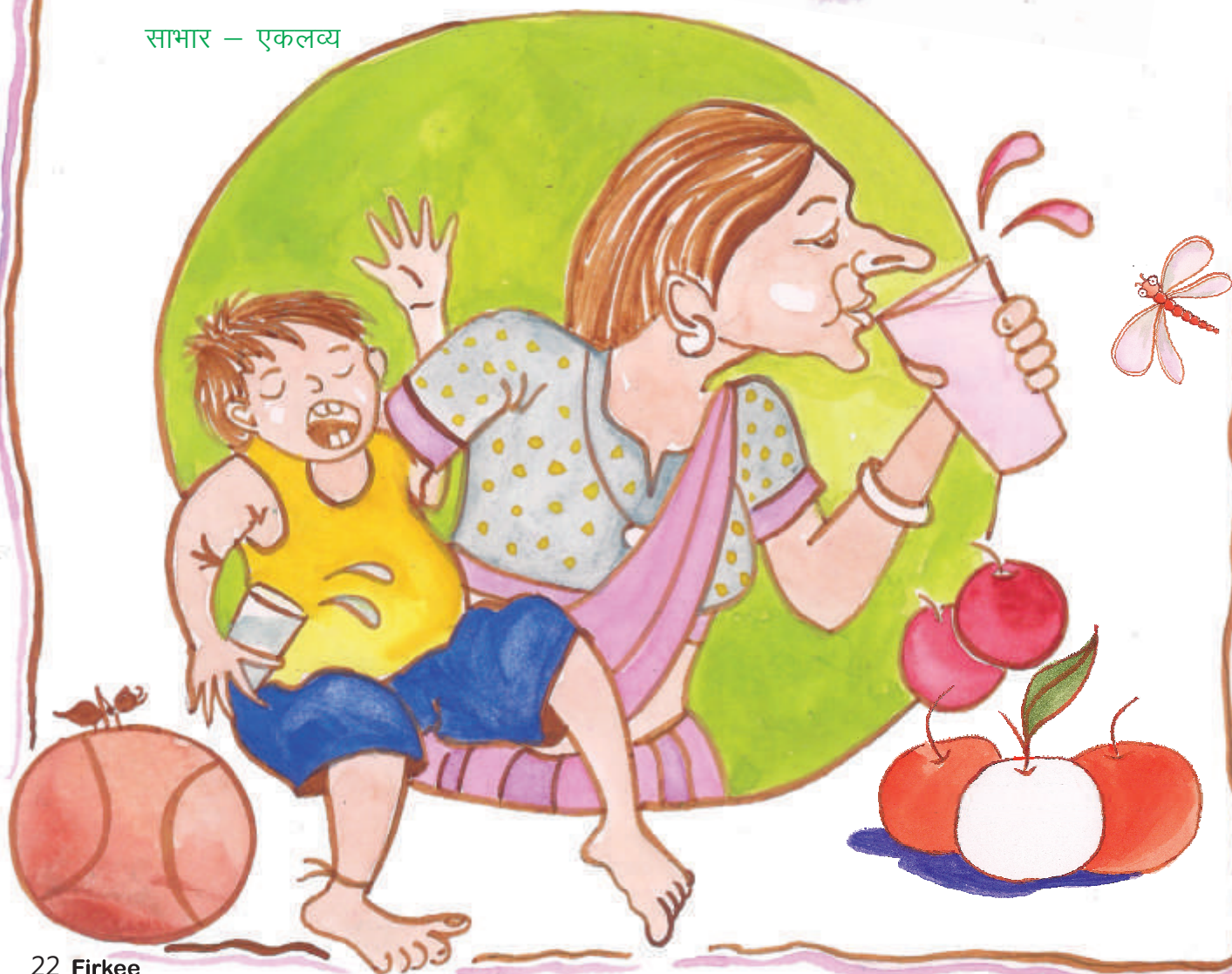
नानी ने अपनी कहानी सुनाई। दी गई तस्वीर को देखो और अपनी कहानी बनाकर भेजो।
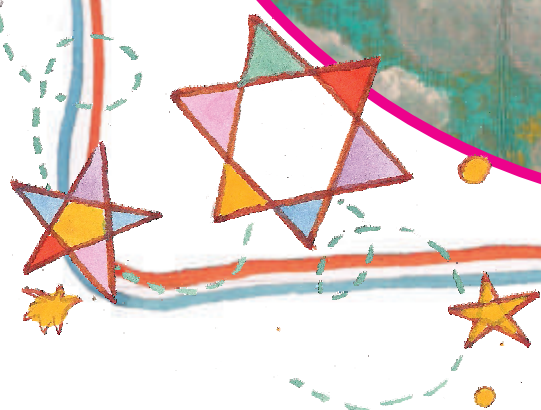
देखो, मैंने क्या बनाया !

अनुष्का
केंद्रीय विद्यालय, एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस

सान्या
केंद्रीय विद्यालय, एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस

तान्या
केंद्रीय विद्यालय, एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस

वनशिका
केंद्रीय विद्यालय, एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस

सुझावों तथा प्रतिक्रियाओं के लिए संपर्क करें-

उषा शर्मा एवं मीनाक्षी खार (कार्यकारी संपादक)
प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम
कक्ष संख्या 307, तीसरी मंज़िल, जी.बी. पंत ब्लॉक
एन.सी.ई.आर.टी., श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110016
दूरभाष- 01126863735
ईमेल- readingcell.ncert@gmail.com

PD 1T RA

100 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविन्द मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा पुष्पक प्रेस प्राइवेट लिमिटेड, 203-204 डी.एस.आई.डी.सी. शेड्स, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फ़ेस-I, नयी दिल्ली 110 020 द्वारा मुद्रित।

21077

₹ 25.00

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
श्री अरविन्द मार्ग, नयी दिल्ली 110 016

ISBN 978-93-5007-796-2